Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 07 May 2024

Dainik Jagran Page - 04

गोवि की परीक्षा से ही 20 कालेजों में प्रवेश

कालेजों ने उपयोगिता के अनुसार अलग-अलग पाठ्यक्रमों के लिए किया है आवेदन

बद्रीनारायण कालेज का परीक्षा केंद्र हुआ निरस्त

जासं, गोरखपुर: दो दिन पूर्व कालेज परिसर में हुई मारपीट की घटना को गंभीरता से लेते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने बद्रीनारायण कालेज पडरौना का परीक्षा केंद्र निरस्त कर दिया है। साथ ही यह भी निर्णय लिया है कि इस केंद्र पर होने वाली सभी परीक्षाएं मंगलवार को उदित नारायण पीजी कालेज पडरौना में सम्पन्न होंगी। रामकोला थाना क्षेत्र के बाबू विष्णु प्रताप सिंह स्मारक कालेज बभनौली बरवा बाजार के विद्यार्थियों का परीक्षा केंद्र पडरौना कोतवाली क्षेत्र के जंगल गायघाट में संचालित बद्री नारायण महाविद्यालय को बनाया गया था। चार मई की सुबह बनस्पति विज्ञान का पेपर देने के बाद कालेज का गेट बंद कर शिक्षकों ने दो छात्रों की जमकर पिटाई कर दी थी।

शोधार्थियों के लिए बनेगी संस्थागत मेल आइडी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : शोध के दौरान शोधार्थियों को किसी भी शैक्षणिक संस्थान या जर्नल प्रकाशकों से संवाद के समय पहचान का संकट न आए, इसके लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अब शोधार्थियों को तकनीकी रूप से संस्थागत पहचान देगा। उनके लिए विश्वविद्यालय उन्हें ई-मेल आइडी जारी करेगा।

संस्थागत ई-मेल को सुविधा करने के लिए विश्वविद्यालय ने बीते दिनों गूगल शैक्षिक सेवाओं को ज्ञात किया था। इसके क्रम में विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों एवं अधिकारियों को संस्थागत ई-मेल उपलब्ध कराया गई है। अब यही सुविधा शोध-छात्रों के लिए भी शुरू की जाएगी। ज्ञात हो प्रतिष्ठित जर्नल प्रकाशक शोध-पत्रों को स्वीकार करने में संस्थागत ईमेल को प्राथमिकता देते हैं। इसके अतिरिक्त संस्थागत ईमेल के माध्यम से शोध से संबंधित बहुत सामग्रियों व संसाधन मुफ्त मिल जाते हैं। संस्थागत आइडी मिलने के बाद शोधार्थी इस सुविधा का फायदा उठा सकेंगे।

शोधार्थियों को कैसा होगा आवेदन

विवि के वेबसाइट प्रभारी डा. अंबरीश श्रीवास्तव ने बताया कि इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए शोधार्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आवेदन पत्रमें भरना होगा।

Amar Ujala Page - 05, 07

बद्री नारायण कॉलेज का परीक्षा केंद्र निरस्त, आज से होंगी परीक्षाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

कुशीनगर में विद्यार्थियों के साथ हुई मारपीट के बाद डीडीयू प्रशासन ने लिया फैसला

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने कुशीनगर जिले के बद्री नारायण महाविद्यालय, पडरौना में परीक्षा केंद्र को निरस्त कर दिया है। इस केंद्र पर होने वाली परीक्षाएं मंगलवार से उदित नारायण पीजी कॉलेज, पडरौना में होंगी। दो दिनों पहले कॉलेज में छात्रों के साथ हुई मारपीट के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला लिया।

रामकोला के बाबू विष्णु प्रताप सिंह स्मारक महाविद्यालय बभनौली बरवा बाजार के विद्यार्थियों का परीक्षा केंद्र पडरौना के बद्री नारायण महाविद्यालय को बनाया गया था। आरोप है कि शनिवार सुबह परीक्षा देने के बाद कॉलेज का गेट बंदकर शिक्षकों ने दो विद्यार्थियों की पिटाई कर दी थी।

Inext Page - 04

डीडीयू की प्रवेश परीक्षा से ही 20 और कालेजों में एडमिशन

उपयोगिता अनुसार अलग-अलग पाठ्यक्रमों के लिए कालेजों ने किया है आवेदन

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (6 May): प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने का दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के आमंत्रण को विश्वविद्यालय से संबद्ध 20 कालेजों ने स्वीकार किया है। सभी कालेजों ने उपयोगिता के मुताबिक अलग-अलग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किया है, इसे लेकर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर कालेजों का ज्यादा जोर रहा है, इसमें यूजी और पीजी दोनों तरह के पाठ्यक्रम शामिल हैं.

10 कॉलेजों के लिए आवेदन

मारवाड़ बिजनेस स्कूल पाठ्यक्रमों को संख्या के आधार पर इस दौड़ में सबसे आगे है, इस कालेज ने सर्वाधिक 10 पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया है, सभी आवेदनों को विश्वविद्यालय ने न केवल स्वीकार कर लिया बल्कि उसे अपनी प्रवेश प्रक्रिया में भी शामिल कर लिया है.

इसी साल बनाई थी योजना

कालेजों में प्रवेश और शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस वर्ष

विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया का लाभ उठाने के लिए कालेज उत्साहित

है, पहले ही वर्ष प्रवेश परीक्षा में शिफ्लिन पाठ्यक्रमों के लिए 20 कालेजों भागीदारी

उत्साहजनक है. इससे कालेजों के लिए अपने महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना आसान हो जाएगा, साथ ही मेधावी विद्यार्थी मिलने से उनके परिसर की डीक्रेडिबिलिटी भी बढ़ेगी.

प्रो. पूनम टंडन,

कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

अपनी प्रवेश प्रक्रिया से ही उन्हें जोड़ने की योजना बनाई थी.

इस क्रम में विश्वविद्यालय ने कालेजों को इससे जुड़ने का न्यौता भेजा था, इसमें जुड़ने के पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय की तरफ से कम से कम दो पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया के जरिये अपने आप को आवश्यक रखी थी, 20 कालेज इसे स्वीकार करते हुए जुड़ भी गए हैं. रुचि दिखाई है।

किस कोर्स में यूनिवर्सिटी के जरिए एडमिशन

- मारवाड़ बिजनेस स्कूल, गोरखपुर- बीबाम, बीएससी, बीबी, बीकॉम, एमबाम और एमएससी
- महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर- बीए, बीबाम, बीएससी व बीकॉम
- चंदपारी देवी रामधारी दीवे आर्य महिला कालेज, गोरखपुर- बीए, बीबाम व एमए
- महाराणा प्रताप पीजी कालेज गगहलूर, गोरखपुर- बीए व बीबाम
- बुद्ध पीजी कालेज, गोरखपुर- बीए व बीबाम
- डीएवी पीजी कालेज, गोरखपुर- बीबाम, एमए इंग्लिश व राजनीतिशास्त्र
- इलाहीबाग कालेज ऑफ कामर्स, बशारिपुर, गोरखपुर- बीबाम व बीएससी
- इलाहीबाग कालेज ऑफ कामर्स, पीडा, गोरखपुर- बीबाम, बीबीए व बीकॉम
- मधुकुल दास पीजी कालेज, गोरखपुर- बीबाम व बीएससी
- वीरबहादुर सिंह पीजी कालेज, हरनही, गोरखपुर- बीफीएड
- नेशनल डिग्री कालेज, गोरखपुर- बीएससी एजी, बीफीएड
- प्रति सावित्रीबाल कालेज, सिधुआबार, गोरखपुर- बीफीएड
- प्रभा देवी भगवती प्रसाद कालेज, हाथुर बुजुर्ग, गोरखपुर- बीए- एलएलबी
- जगदी डिग्री कालेज, पीडा, गोरखपुर- बीएससी, बीबीए, बीकॉम
- हरिनाथ दास कालेज, गोरखपुर- बीए-एलएलबी व एलएलबी
- पं. भुनुरुमा चतुर्वेदी कालेज, खजनचक गोरखपुर- बीए-एलएलबी
- अद्रौना सीता, गोरखपुर- बीबीए व बीकॉम
- बीआरडी कालेज, देवरिया- बीएससी एजी, एमएससी एजी, एलएलबी
- दिग्विजयनाथ एलडी कालेज, गोरखपुर- एमए

Hindustan Page 02 , 05

कार्यक्रम के दौरान प्रो. विकास शर्मा को स्मृति चिह्न भेंट करतीं कुलपति।

भारतीय संवेदनाओं से जुड़ें लेखक : प्रो. विकास

गोरखपुर। डीडीयू के अंग्रेजी विभाग में सोमवार को 'मीट द ऑथर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास के भाई त चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. विकास शर्म ने कहा कि भारत के लेखकों को भारतीय संवेदनाओं से जुड़ना होगा। उन्हें भारतीय ज्ञान परम्परा, संस्कृति और विरासत को समाहित करते हुए लिखना चाहिए। अंग्रेजी भाषा को केवल टूल के रूप में प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने अपने द्वारा लिखे गए सभी 10 उपन्यासों के बारे में भी संक्षेप में जानकारी दी।

डीडीयू की परीक्षा से 20 कॉलेजों में भी होगा प्रवेश

गोरखपुर। डीडीयू द्वारा प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के आमंत्रण को कुल 20 कॉलेजों ने स्वीकार किया है। सभी कॉलेजों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किया है। प्रोफेशनल कोर्सेज में प्रवेश के लिए इन कॉलेजों ने रुचि दिखाई है। इनमें स्नातक और परास्नातक दोनों तरह के पाठ्यक्रम शामिल हैं। डीडीयू प्रशासन ने कॉलेजों में प्रवेश और शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से इस वर्ष अपनी प्रवेश प्रक्रिया से उन्हें जोड़ने की योजना बनाई थी। मेधावी विद्यार्थी मिलने से उन कॉलेजों की शैक्षिक गुणवत्ता भी बढ़ेगी।

मारपीट पर डीडीयू सख्त बीच परीक्षी में कटा सेंटर

Swatantra Chetna Page 02 , 05

लेखकों को भारतीय संवेदनाओं से जुड़ना होगा : प्रो विकास

कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम साहित्यिक अभिरुचि को बढ़ाने का कार्य करते हैं

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग में मीट द ऑथर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास के भाई तथा वर्तमान में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के हेड एवं प्रसिद्ध कवि एवं उपन्यासकार प्रोफेसर विकास शर्मा ने लेखक के रूप में अपने विचार रखे कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन द्वारा की गई विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो अनुभूति दुबे उपस्थित रहीं. कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की

पूजा एवं दीप प्रजवल्लन द्वारा किया गया कुलपति प्रो पूनम टंडन ने स्मृति चिन्ह देकर प्रो शर्मा का स्वागत किया

अपने स्वागत भाषण में विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम की महता के ऊपर प्रकाश डाला और उन्होंने बताया कि साहित्य में रचनात्मकता की आपर संभावनाएं रहती हैं,ऐसे में प्रो विकास शर्मा का विद्यार्थियों से संवाद काफी लाभदायक रहेगा. उन्होंने प्रो शर्मा की सभी उपन्यासों को सारांश में बताया.

कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विभाग द्वारा किए गए इस कार्यक्रम के आयोजन की जमकर प्रशंसा की .उन्होंने प्रोफेसर विकास शर्मा द्वारा लिखी गई उपन्यासों में समसामयिक मुद्दों को उठाने के

लिए उनकी लेखनी की सराहना की . कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम साहित्यिक अभिरुचि को बढ़ाने का कार्य करते हैं और विद्यार्थियों को ऐसे कार्यक्रमों में प्रतिभाग करते रहना चाहिये . अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थी हमेशा उत्साही एवं जिज्ञासु रहते हैं। प्रोफेसर विकास शर्मा ने लेखक के रूप में अपनी बात रखते हुए कहा कि भारत के लेखकों को भारतीय संवेदनाओं से जुड़ना होगा। उन्हें भारतीय ज्ञान परम्परा , संस्कृति और विरासत को समाहित करते हुए लिखना चाहिए। अंग्रेजी भाषा को केवल टूल के रूप में प्रयोग करना चाहिये।

Amar Ujala Select Page - 04

डीडीयू की प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े 20 कॉलेज

माया‌ज बिजनेस स्कूल ने किया है सर्वाधिक 10 पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले पूर्व पूर्व मेडिकल्स प्रवेश प्रक्रिया में 20 कॉलेजों ने रुचि दिखाई है। इन सभी कॉलेजों ने आवेदन भी लगाया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति के सदस्य सचिव प्रो. विकास शर्मा ने दी।

मारवाड़ बिजनेस स्कूल, गोरखपुर में बीबीए, बीकॉम, बीएससी, एमबीए और एमएससी के लिए आवेदन किया है। मारवाड़ प्रबंधन संस्थान, गोरखपुर ने बीए, बीकॉम, बीएससी व एमबीए के लिए आवेदन किया है। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़, गोरखपुर ने बीए, बीकॉम, बीएससी व बीबीए, चंदपारी देवी रामधारी दीवे आर्य महिला कॉलेज, गोरखपुर ने बीए, बीकॉम, बीएससी व एमए, महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज गगहलूर, गोरखपुर ने बीए व बीकॉम के लिए आवेदन किया है।

बुद्ध पीजी कॉलेज, गोरखपुर ने बीए व बीकॉम, डीएवी पीजी कॉलेज, गोरखपुर ने बीए, बीकॉम, बीएससी व एमबीए, इलाहीबाग कॉलेज ऑफ कामर्स, बशारिपुर गोरखपुर ने बीकॉम व बीएससी, इलाहीबाग कॉलेज ऑफ कामर्स, पीडा ने बीकॉम, बीबीए व बीएससी, मधुकुल दास पीजी कॉलेज ने बीकॉम व बीएससी, वीरबहादुर सिंह पीजी कॉलेज, हरनही, गोरखपुर ने बीए, बीएससी, नेशनल डिग्री कॉलेज, गोरखपुर ने बीएससी एजी, एमएससी एजी, बीएड, प्रति सावित्रीबाल कॉलेज, सिधुआबार गोरखपुर ने बीएड, प्रभा देवी भगवती प्रसाद कॉलेज, हाथुर बुजुर्ग, गोरखपुर ने बीए-एलएलबी व एलएलबी, पं. भुनुरुमा चतुर्वेदी कॉलेज, खजनचक गोरखपुर- बीए-एलएलबी, जगदी डिग्री कॉलेज, पीडा, गोरखपुर ने बीए, बीएससी, बीबीए, बीकॉम, हरिनाथ दास कॉलेज, गोरखपुर- बीए-एलएलबी व एलएलबी, अद्रौना सीता, गोरखपुर- बीबीए व बीकॉम, बीआरडी कॉलेज, देवरिया- बीएससी एजी, एमएससी एजी, एलएलबी, दिग्विजयनाथ एलडी कॉलेज, गोरखपुर- एमए में प्रवेश के लिए आवेदन किया है।

बद्री नारायण कॉलेज का परीक्षा केंद्र निरस्त, आज से होंगी परीक्षाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

कुशीनगर में विद्यार्थियों के साथ हुई मारपीट के बाद डीडीयू प्रशासन ने लिया फैसला

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने कुशीनगर जिले के बद्री नारायण महाविद्यालय, पडरौना में परीक्षा केंद्र को निरस्त कर दिया है। इस केंद्र पर होने वाली परीक्षाएं मंगलवार से उदित नारायण पीजी कॉलेज, पडरौना में होंगी। दो दिनों पहले कॉलेज में छात्रों के साथ हुई मारपीट के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह फैसला लिया।

रामकोला के बाबू विष्णु प्रताप सिंह स्मारक महाविद्यालय बभनौली बरवा बाजार के विद्यार्थियों का परीक्षा केंद्र पडरौना के बद्री नारायण महाविद्यालय को बनाया गया था। आरोप है कि शनिवार सुबह परीक्षा देने के बाद कॉलेज का गेट बंदकर शिक्षकों ने दो विद्यार्थियों की पिटाई कर दी थी।

Gorakhpur Super Fast Times

अंग्रेजी विभाग में आयोजित हुआ "मीट द ऑथर" कार्यक्रम

भारत के लेखकों को भारतीय संवेदनाओं से जुड़ना होगा : प्रो विकास शर्मा